लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह
डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17
वर्ष 03 अंक 46 लखनऊ। सोमवार 07 से 13 अगस्त-2017
e-mail-pawanprawah@gmail.com
मूल्य : तीन रूपये पृष्ठ-16

प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक
एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

(भाग-12)

पिछले 11 अंको में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर मे चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है, उर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगो के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा कैसे अपने शरीर मे बुलाये, उसकी क्या विधि है, ऊर्जा को बुलाने अथवा संग्रह के उपरान्त का अनुभव और शरीर के मुख्य केन्द्रों में ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-1 की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, विशिष्ट उपचार स्तर-II के विषय मे क्रमशः जागरूकता और स्वास्थ्य के बारे मे आगे बताया गया है।

क्रमशः...जागरूकता और स्वास्थ्य कार्यवाही के महत्व का शेष भाग : यह एक बहुत ही आम स्थिति है यदि, पहली परत में स्थिति का इलाज करने में, आप अपनी जागरुकता को जब एक अलग (पृथक) ऊर्जावान स्थिति तक सीमित कर देते हैं, जिसका आप इलाज कर रहे हैं, या आप जिस विशिष्ट तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको उसके सूक्ष्म व सहज ज्ञान युक्त जानकारी से अवगत होना अनिवार्य है। इस स्थिति की जानकारी आप रोगी की चमक, रोगी के चक्रों में संबंधित स्थितियों की उच्च परतों से संबंधित कई स्थितियों और रोगी के मनोविज्ञान और जीवन के अनुभवों व परिस्थितियों के संबंध में आपके विशिष्ठ जागरूकता पर आती है। अतः यदि आप अपने मे खुलेपन की जागरूकता रखते हैं, तो सहज ज्ञान युक्त इंप्रेशन को काम करने की अनुमति देकर, रोगी के आभा, चक्र, मनोविज्ञान और जीवन में सभी संबंधित, जुड़े स्थितियों के बारे में जानने की अधिक संभावना से जुड़ जाते हैं। इस समग्र जानकारी को बनाए रखने के लिए आपको इस हीलिंग ज्ञान के लिए एक स्पष्ट चैनल की अनुमति शुद्ध चेतना के क्षेत्र से देना पड़ता है जो ऊर्जा रोगी के ठीक होने मे अधिक महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगी।

उक्त संपूर्ण कार्यवाही चूकि सभी विभिन्न उपचार तकनीकों मे काम करती हैं, अतः इसे सीखकर और उपयोगकर इसके ज्ञान को बनाये रखना महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह तकनीक अपने आप से अलग नहीं हैं और नहीं अलग उपकरण हैं जो आपके उपयोग के लिये अलग मौजूद रहेगी। यदि आप ऊर्जा क्षेत्र के एक विशिष्ट हिस्से पर एक विशिष्ट उपचार तकनीक का उपयोग करने में, अपने जागरूकता को इस छोटे से, काम के विशेष क्षेत्र में पहुंचाने की अनुमति देते हैं, तो आप अपने रोगी को सम्पूर्णरूप से ठीक नहीं कर सकेंगे। क्योंकि चिकित्सा शक्ति के लिए शुद्ध चेतना व खुलेपन से स्पष्ट रूप से चैनल करना होता है, जो आपके माध्यम से बहती है और आपके रोगी को वास्तविक आध्यात्मिक उपचार करने की क्षमता प्रदान करती है। अतः आप खुलेपन के माध्यम से समग्र जागरूकता और क्रिया को विकसित कर इसको विस्तारित करे जिससे प्रभावी ढंग से रोगी को ठीक करने के लिए सभी गुणों में पास हो सके। खुलापन सबसे महत्वपूर्ण है जो आप को हीलिंग ज्ञान और शक्ति के माध्यम से आना चाहिए। यदि आपकी जागरूकता और क्रियाएं ऊर्जा क्षेत्र के एक भाग तक सीमित हैं, तो आप अपने रोगी के साथ एकता की स्थिति में नहीं रहेंगे और न ही आपको उपलब्ध शुद्ध चेतना के क्षेत्र मे पूरा ज्ञान और शक्ति प्राप्त कर सकेंगे। इस उच्च आध्यात्मिक वास्तविकता द्वारा एक प्रभावी उपचार निर्देशित है जो रोगी की स्थिति के बारे में पूरी समझ और जागरूकता आपमें उभरती है जिससे आप स्वाभाविक रूप से किस तकनीक व खुलेपन की स्थिति का इस्तेमाल कर उन्हें अधिकतम प्रभावी बना सके।

शुद्ध चेतना से पूर्ण ज्ञान और शक्ति उपलब्ध होती है और आप एक विस्तृत व शुद्ध चैनल से उच्च आध्यात्मिक वास्तविकता के सभी उपचार को नियंत्रित करते हैं। इससे आप हमेशा उच्च दायरे के ज्ञान और शक्ति के मार्गदर्शक बन जाते हैं जिसमे किसी विशिष्ट दिशा-निर्देश या तकनीक की आवश्यकता नहीं होती है, मात्र अनुभव ही अत्यधिक प्रभावशाली होता है। ऊर्जा चिकित्सा कई तकनीकों का योग है तथा शुद्ध चेतना के उच्च दायरे में यह एक समग्र अभिव्यक्ति है जो आपके भीतर पाया जाता है तथा इसे सूचीबद्ध या पुस्तक के रूप मे भी वर्णित किया जा सकता है।

12.0 प्रतीक और विजुअलाइज़ेशनः

12.1 प्रतीकों से अतिरिक्त ऊर्जा कॉल करना

अधिक शक्तिशाली और प्रभावी उपचार को सीखने में एक पहला और अच्छा कदम है जिससे आप अपने में अधिक मात्रा में उपचार करने वाली ऊर्जा को बुला सकते हैं। वास्तव में, प्राणिक ऊर्जा लेवल-II को सीखने हेतु, आपको अधिकांश उपचार उपकरणों का प्रभावी उपयोग करने की आवश्यकता होती है जिससे आपके पास रोगी के उपचार में उपयोग के लिए अधिक ऊर्जा की मात्रा कॉल करने की क्षमता मौजूद हो सके।

प्राणिक ऊर्जा लेवल-I में, आपने अपने दिमाग की आंखों में 'देख' करके ऊर्जा कैसे कॉल किया जाता है, जो ऊर्जा आपके हाथों में चारों ओर से बहकर एकत्रित हो रही है और आपके हाथों से बहकर रोगी में चल रही है, का अध्ययन किया था। इस स्तर में, आप चिकित्सा प्रतीकों का भी उपयोग करेंगे, जो ऊर्जा के फोकस के लिए उपकरण-वाहन हैं। आपके उपचार के प्रतीकों का पहला महत्वपूर्ण उपयोग उनको अपने ऊर्जा के बारे में बहुत ज्यादा जोड़ने और अपने रोगी को चैनल में शामिल करने के लिए नियोजित किया जाना है।

ऊर्जा चिकित्सा प्रणाली के स्तर-II में तीन-प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया हैः सर्किल, ट्राइन, और स्टार है, जो सरल और प्राथमिक हैं। यह सच है और सभी जानते हैं कि मानवता की भौतिक दुनिया में चलने वाली शक्तियों के सहज ज्ञान से शक्तियों का सार व अस्तित्व को जानना संभव हैं। जो शक्तियां निर्माण होती हैं और उनका आकार भी होता हैं, इन शक्तियों के आकार को यह सहज ज्ञान पहचानती है और मन की आंखों में, ये प्रतीक शुद्ध चेतना के क्षेत्र की

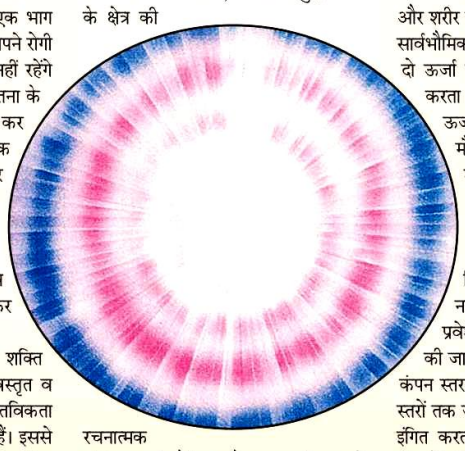

रचनात्मक शक्ति, सबसे मौलिक और महत्वपूर्ण पहलुओं के प्रतिनिधि के रूप में आकार लेती हैं। प्रतीकों का केवल शारीरिक आकार नहीं हैं, वह सार्वभौमिक प्रतीक हैं जो ऊर्जा और जागरूकता के सार्वभौमिक पैटर्न के अनुरूप पाये जाते हैं। प्रत्येक प्रतीक में, आकार से जुड़ा एक सार है जो अपने सार में, हमारे व्यक्त किए हुए विश्व में ऊर्जा और जागरूकता के प्रवाह के तरीकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और इसलिए चिकित्सा के काम में उपयोगी होते हैं। अतीत में कई बार, मानवता हमारे आधुनिक तकनीकी सभ्यता में आज की तुलना में सरल प्रतीकों की ताकत और उपयोगों के बारे में अधिक जानकारी देती है। इन तीन-प्रतीकों को पृथ्वी पर लगभग हर संस्कृति में और जादुई परंपरा में भी ज्ञान और शक्ति के प्रतीक के रूप में उपयोग किया जाता है, जबकि अन्य प्रतीकों का उपयोग चिकित्सा के काम में किया गया है, ये विशेष प्रतीक किसी भी की तुलना में अधिक शक्तिशाली हैं। इन प्रतीकों का उपयोग करते समय किसी भी अर्थ के बारे में नहीं सोचना चाहिए, परंतु प्रतीक के बारे में पता होना आवश्यक है कि कौन-कौन से सही अर्थ और शक्ति प्रत्येक प्रतीक में निहित है।

वृत्तः सर्किल, जो एक चक्र की रूपरेखा है (भरा नहीं), पूर्णता का प्रतीक है, निरंतर जीवन शक्ति और सृष्टि की एकता-सभी चीजों की शुरुआत और अंत है। यह सभी के साथ attunes यह पूरा हो गया है, और एक साथ खींचता है और सभी को शामिल करता है। यह सर्कल के आकार में निहित ऊर्जा और जागरूकता का पैटर्न है। चिकित्सा में, एक बार अलग-अलग (ध्रुवीय) ऊर्जा व ऊर्जा के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ या सामंजस्यपूर्ण काम नहीं करता है। सर्किल न केवल ध्रुवीय ऊर्जा कहलाता है, यह उन्हें एक साथ खींचती है और उन्हें हल करता है उपचार की शुरुआत में, शीघ्र ही आप सर्किल (ट्राइन के साथ संयोजन में) ऊर्जा का अधिक से अधिक मात्रा में कॉल करने के लिए उपयोग करना सीखना उपयोगी होगा। इन दो-प्रतीकों का उपयोग करते हुए ऊर्जा में बुलाते समय, सर्किल पहले इस्तेमाल किया जाता है, पृथ्वी से जीवन शक्ति को आकर्षित करने के लिए, और शरीर के जीवन शक्ति का उपयोग करके सार्वभौमिक जीवन ऊर्जा प्राप्त करने के लिए, दो ऊर्जा बैठकें यह उस ऊर्जा का उपयोग करता है जो पहले से ही शरीर में मौजूद ऊर्जा को प्राप्त करता है जो चारों ओर मौजूद है। सर्कल आत्मा का एक उद्घाटन करती है, आत्मा और पृथ्वी के बीच एक संतुलित समानता बनाती है।

ट्राइनः ट्राइन, जो एक समभुज त्रिभुज की रूपरेखा है (भरी हुई नहीं), अस्तित्व के उच्च स्तरों में प्रवेश का प्रतीक है। यह ऊर्जा के कंपन की जानकारी और आपके जागरूकता के कंपन स्तर को बढ़ाता है, और मन को उच्च स्तरों तक जागृत करता है। यह ऊपर की ओर इंगित करता है और इस दुनिया को उच्च संसारों से जोड़ता है। यह ऊर्जा और जागरूकता का पैटर्न है जो ट्राइन के आकार में निहित है।

इसकी तीन तरफ आध्यात्मिक प्रणालियों में कई त्रिकोण के अनुरूप हैं, लेकिन विशेष रूप से पारित होने का प्रतीक, एक से दूसरे तक, अवतार और निर्वासित जीवन (ट्राइन के आधार बिंदु) के बीच, आध्यात्मिक विकास के लक्ष्य और ऊपर बढ़ते हुए आत्म-प्राप्ति और आध्यात्मिक मुक्ति की स्थिति की ओर दुनिया इस उद्गम के प्रतीक के रूप में व्यापक जागरूकता का प्रतिनिधित्व करता है। जब ट्राइन को उपचार के शुरुआत में इस्तेमाल किया जाता है, तो सर्किल द्वारा लाया गया सार्वभौमिक जीवन ऊर्जा ले जाती है, और इसे उच्च कंपेनियस स्तरों की तरफ बढ़ जाती है-यह ऊर्जा को कंपन की ऊंची दर पर उठाती है। यह चिकित्सा, ऊर्जा को अधिक शक्तिशाली और शुद्ध करने वाला प्रभाव देता है, और ऊर्जा आपकी संवेदनशीलता को भी बढ़ाता है। ट्राइन विकास की दिशा में आत्मा की ओर जाता है, यह व्यक्तिगत भावना का उन्नयन है क्योंकि यह इस अस्तित्व से संबंधित है, जो पृथ्वी से बढ़ रहा है।

सितारा: द स्टार, एक नियमित रूप से पांच अंक वाला एक ठोस आकार में भरे सितारे, हमारी भौतिक दुनिया और शुद्ध चेतना के क्षेत्र में ऊर्जा के लिए एक चैनल है, जो सभी सृष्टि का आध्यात्मिक स्रोत और सार है। यह ट्राइन से अलग है, लेकिन इस धरती के साथ ट्राइन प्रतीक केंद्रित और संयुक्त रूप से विचार किया जा सकता है (ट्राइन आकार-एक परिपत्र रूपरेखा के आस-पास)। स्टार में पांच बिंदुओं की ओर इशारा करते हैं, और पांच बाहर इंगित करते हुए, इस विश्व के बीच ऊर्जा के लिए एक चैनल और उच्च आध्यात्मिक वास्तविकता के रूप में इस उपयोग का संकेत मिलता है। यह स्टार के आकार में निहित ऊर्जा और जागरूकता का पैटर्न है।

प्राणिक ऊर्जा लेवल-II में, स्टार का उपयोग करने के लिए एक तरह से ऊंचा स्तर से ऊर्जा को इस भौतिक दुनिया में खींचना और ध्यान देना हैः शुद्ध चेतना में निहित चिकित्सा शक्ति को टैप करने के लिए और इसे ऊर्जा के प्रवाह में प्रमुख विकृतियों को दूर करने के लिए भौतिक शरीर में इसे चैनल करते हैं। सही होने में बहुत मुश्किल हो तो 7वीं चक्र का इलाज करने के लिए इस्तेमाल होने पर स्टार बहुत प्रभावी होता है। स्टार (हमारे सांसारिक जीवन और शुद्ध चेतना के दायरे के बीच एक चैनल के रूप में) 7वें चक्र की प्रकृति (हमारे आध्यात्मिक पूर्णता-हमारे आत्मा की दुनिया और हमारे भौतिक अस्तित्व के बीच का कुल संबंध) के साथ एक करीबी जुड़ाव है। स्टार में निहित ऊर्जावान पैटर्न 7वें चक्र की आध्यात्मिक प्रकृति के अनुरूप है, और इसलिए 7वें चक्र को शक्तिशाली रूप से साफ करने के लिये स्टार के उपयोग का माध्यम अधिक सक्रिय हो सकता है।

स्टार पृथ्वी से परे हैः ऐसा है जहां कोई शुरुआत और अंत नहीं है, व्यापकता के लिए, अस्तित्व से परे अस्तित्व भी नहीं होता है। जैसा कि हम जानते हैं कि हम सभी इस पृथ्वी पर मौजूद हैं और हम ऊपर भी मौजूद हैं, आप तट पर खड़े हो सकते हैं और सागर पर तरंगों को देख सकते हैं, भीतर एक उत्तेजकता महसूस करते हुए, स्टार आगे से और हर समय बाहर निकलते महसूस कर सकते हैं। स्टार हमारा उच्च स्व है, हमारे अस्तित्व की संपूर्णता, समय और स्थान से परे एक क्षेत्र का एक चैनल है। स्टार हमारे ऊपर प्रकाश है तथा हमारे अंदर है और अनंत काल की समझ की ओर ले जाता है। *क्रमशः अगला अंक 13 पढ़े...*